



B
27.8.84

भारत का गज़ीत The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

PART III—Section 1

प्राधिकार द्वे प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १९]

नहीं दिल्ली, बघवाट, जलाई 11, 1984/आषोड 20, 1906

No. 19)

NEW DELHI WEDNESDAY, JULY 11, 1984/ASADHA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संख्याएँ एवं एक से दूसरे के बीच अलग हो सकें।

कार्यालय, सहायक आधिकार आयूष्म (प्रिवेक्षण) अर्जन रेज आधिकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अन्तर्गत सम्भवाएं

जयपुर, 18 जन. 1984

आदेश संख्या : राज०/सहा०आ० अर्जन/2431:—अतः मुझे एम० एम० युक्त सामग्री आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वाँ के अधीन सकारात्मक प्राविकारी को, यह विभास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 80 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (और इससे उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1983 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक

के दर्शित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क) एंसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों को जिन्हे जारीकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ जनराईटी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या लिपाने में सुधार के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरमें, जो उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नाधिनियम व्यक्तियों, अवधारितः—

(1) श्री घर्म चरण पुल श्री वाल भूकन्द निवासी रायसिंहनगर नरेश्वर निवासी वर्षमधी (अन्तर्कर)

(2) श्री मंगीराम एवं श्री गुरुदेव चांद पुत्र श्री कुमार साह
अग्रवाल निवासी रामामंडी, पंजाब (अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है। उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शीर्ष अधिकारी नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पर्यात्मी व्यक्तियों पर सूचना को तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20F में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 80 का भाग जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 1969 विनांक 13 अक्टूबर, 1983 पर पंजिवद विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 18 जून, 1984

मोहर

OFFICE OF THE I.A.C ACQUISITION RANGE,
NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Jaipur, the 18th June, 1984

Ref. No. RajIAC (Acq.)/2431.—Whereas I, M. Shukla being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 80 situated at Hanumangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharam Chand, S/o Shri Bal Mukand R/o Raisinghnagar, Present resident at Bombay. (Transferor)

(2) Shri Mangiram, Shri Gurdev Chand S/o Shri Kundankul Agarwal R/c Ramamandi Panjab. (Transferee)

objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. . . .

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Half portion of shop No. 80, situated at, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1969 dated 13-10-1983.

Date : 18-6-84.

Seal :

वाकेश संख्या : राज०/सह०आ० अजैन/2432 —अतः मुझे एम० एम० शुक्ला आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269B के अधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी म० दुकान नं० 80 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख 13-10-83 को पूर्ववित सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिका की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त व्यवस्था का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिगत से अधिक है, और "अन्तरक" (अन्तरकों) और "अन्तरिक्ती" (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे

अन्तरराज के लिए तब पाया जाया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित जहेय से उक्त अन्तरराज विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरराज से इर्ह किसी आय की आवृत्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तर्राज द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शुक्ला कुमारी पत्नि श्री धर्मचन्द्र जाति अरोड़ा निवासी राष्ट्रसंहनगर हाल निवासी बम्बई बजरिया मुख्ताराम श्री शोर्बदास (अन्तरक)

(2) श्री थेलिराम, हरबन्स लाल पिता कुन्दललाल अग्रवाल निवासी बुदलाहा महसोल मान्सा जिला भटिया (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा गकें ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं. 80, स्थित शानभंडी, हनुमानगढ़ जो उप पंजियक, हनुमान-कुड़ाय ज़िला संघ 1970 दिनोंक 13-10-83 पर पंजियद्वारा विभव वस्त्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

वारेका 18 अग्र, 1984
बोहर

इम० एम० शुक्ला, सम्प्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जगन्नुर

Ref. No. Raj./AIC (Acq.)/432.—Whereas, I. M. M. Shukla being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 80 situated at Hanumangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of said Act to the following persons, namely :

(1) Smt. Shukla Kumari W/o. Dharm Chand Arora r/o. Raisinghnagar at present Bombay through P.A.H. Shri Tirthdass.
(Transferor)

(2) Shri Theliram, Harbanslal r/o Kundatla Aggarwal r/o Burladha Teh. Man. 2 Distt. Bhatinda Panjab
(Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 80 situated at Dhanmandi, Hanuman-garh more fully described in sale-deed registered by

Sub-Registrar, Hanumangarh at S. No. 1970 dated 13-10-83

M. M. SHUKLA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-6-84.

Seal :